सीएसआईआर-सीरी और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीच समझौता पत्र पर बनी सहमति

मृदुल पत्रिका ■ पिलानी

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) पिलानी ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के साथ अनुसंधान एवं विकास और अकादमिक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण समझौते पर सहमति बनी । संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया और श्री केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति डॉ रक्षपाल सिंह ने इस समझौता पत्र के माध्यम से कृषि और इलेक्ट्रॉनिक्स के संयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। दोनों शीर्ष अधिकारियों ने वैज्ञानिक व अकादमिक सहयोग के लिए अपेक्षित इनपुट प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की। डॉ सिंह और डॉ पंचारिया ने दोनों संस्थानों के बीच संभावित शोध एवं विकास कार्यक्रमों पर चर्चा की। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रक्षपाल सिंह ने सीएसआईआर-सीरी का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ कृषि महाविद्यालय, सादुलपुर, चांदगोठी के डीन डॉ. ए. आर. नकवी और डॉ. बलबीर सिंह उपस्थित रहे । इस अवसर पर संस्थान की ओर से भी डॉ अभिजीत कर्मांकर, डॉ सुचंदन पाल, श्री प्रमोद तँवर तथा डॉ विजय चटर्जी सहित अन्य सहकर्मी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन पिलानी स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर-सीरी देश के किसानों को प्रिसीजन कृषि सहित उन्नत और आधुनिक कृषि में तकनीकी समाधानों के माध्यम से लाभान्वित करने की दिशा में प्रयासरत है डॉ रक्षपाल सिंह ने अपने पिलानी दौरे के दौरान सीएसआईआर-सीरी द्वारा प्रिसीजन कृषि के लिए किए जा रहे कार्यकलापों का अवलोकन भी किया। उन्होंने डॉ पंचारिया की ऊर्जा तथा उनके मार्गदर्शन में सीरी के वैज्ञानिकों द्वारा संस्थान में किए जा रही शोध गतिविधियों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अभी तीन नए कृषि महाविद्यालय आरंभ किए हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह समझौता पत्र न केवल दोनों संगठनों में अकादमिक अपितु तकनीकी सहयोग का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। सीएसआईआर-सीरी पिलानी के निदेशक डॉ पंचारिया ने कहा कि उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की मदद एवं आधुनिक तकनीक के माध्यम से शेखावाटी और बीकानेर सहित देश के अन्य राज्यों में विभिन्न फसलों के उत्पादन में वृद्धि सहित भंडारण आदि के क्षेत्र में कार्य करने की असीम संभावनाएं हैं और संस्थान के वैज्ञानिक इस दिशा में प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में, सीएसआईआर-सीरी ने चाय, चीनी और पानी आधारित प्रौद्योगिकियों के लिए विभिन्न कृषि इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोसेस कंट्रोल सिस्टम विकसित किए हैं। समझौता ज्ञापन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि श्री केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर कृषि के लिए विशेषज्ञ सलाह और अनुसंधान इनपुट प्रदान करेगा, जबकि सीएसआईआर-सीरी इन प्रणालियों के विकास तथा उनके क्रियान्वयन के लिए तकनीकी समाधान विकसित करेगा। उन्होंने बताया कि संस्थान ने अपने परिसर में प्रिसीजन कृषि प्रायोगिक स्टेशन विकसित कर रहा है और हमने इसके लिए यहाँ अनेक प्रकार के पौधे भी लगाए हैं।